



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

देहरादून, बुधवार, ०२ नवम्बर, २०११ ई०

कार्तिक ११, १९३३ शक सन्वत्

उत्तराखण्ड शासन

पंचायतीराज अनुभाग

संख्या ७१६/XII/२०११/९०(३२)/२००९

देहरादून, ०२ नवम्बर, २०११

अधिसूचना

राज्यपाल, उत्तराखण्ड प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला परिषद् अधिनियम, १९९१ (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या ३३, सन् १९९१) (समय-समय पर क्या संशोधित तथा उत्तराखण्ड राज्य में क्या प्रवृत्ति) की धारा ४६ के तहत पठित धारा २३७ के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, उत्तराखण्ड जिला पंचायत (अपर मुख्य अधिकारी का केन्द्रीय संचाल्य संघर्ष) नियमावली, २००७ में अप्रत्यक्ष संशोधन की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनती है :-

- | | | |
|------------------------|----|--|
| संक्षिप्त नाम और धारणा | १. | (१) इस नियमावली का शकित नाम उत्तराखण्ड जिला पंचायत (अपर मुख्य अधिकारी का केन्द्रीय संचाल्य संघर्ष) संशोधन नियमावली, २०११ है। |
| | | (२) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |
| नियम ६ का संशोधन | २. | उत्तराखण्ड जिला पंचायत (अपर मुख्य अधिकारी का केन्द्रीय संचाल्य संघर्ष) नियमावली, २००७ के नियम ५ में शीर्षे स्तम्भ-१ में दिये गये विद्यमान नियम के स्थान पर स्तम्भ-२ में दिया गया नियम रख दिया जायेगा ; अर्थात् - |

स्तम्भ-एक
वर्तमान नियम

५(१) संघर्ष में किसी पद पर भर्ती निम्नलिखित शर्तों से की जायेगी :-

(क) ६० प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त जिला पंचायत के कार्य अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा ;

(ख) २० प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त जिला पंचायत के अभियन्ताओं में से पदोन्नति द्वारा ;

(ग) २० प्रतिशत उप नियम (२) के अनुसार प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(२) सरकार संघर्ष में किसी पद पर किसी तारकारी सेवक को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर सकती है।

स्तम्भ-दो
एवम्बद्ध प्रतिस्थापित नियम

५(१) संघर्ष में किसी पद पर भर्ती निम्नलिखित शर्तों से की जायेगी :-

(क) ६० प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त जिला पंचायत के कार्य अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा ;

(ख) ४० प्रतिशत मौलिक रूप से नियुक्त जिला पंचायत के अभियन्ताओं में से पदोन्नति द्वारा ;

आज्ञा से,
डॉ पी० एस० गुसाई,
सचिव।

